कक्षा - नौवीं

Page No.___ Date ___/___/20___

पाठ - 1 —— प्रेमचंद

दो बैलों की कथा (क्षितिज)

प्र० 1 कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?

उ० कांजीहौस में लावारिस पशुओं को पकड़कर बंद किया जाता है तथा उनका एक रजिस्टर में रिकार्ड रखा जाता है। उन पशुओं की वहाँ पर रोजाना हाजिरी ली जाती है। जिससे कि यह पता लग सके कि कोई पशु गायब तो नहीं हो गया।

प्र० 2 छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

उ० छोटी बच्ची की बचपन मे ही माँ मर गई थी और उस की सौतेली माँ उसे बिल्कुल भी प्यार नहीं करती थी तथा बार-2 पर उसे मारती-पीटती रहती थी। इस कारण वह छोटी-सी बच्ची प्रेम की भूखी थी। अपने घर में आए हीरा और मोती नामक बैलों को भूखा देखकर उनके प्रति उसके मन में प्रेम उमड़ आया था। इसलिए ही वह उन्हें रोटी खिलाने आती थी।

प्र० 3 कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन सी नीतिविषयक मूल्य उभर कर आए हैं?

उ० कहानी में बैलों के माध्यम से निम्नलिखित नीतिविषयक मूल्य उभर आए हैं:-

1) सीधापन एवं सहिष्णुता वांछनीय गुण है इसलिए इन गुणों का सम्मान किया जाना चाहिए।

2) हमें पशुओं के प्रति स्नेहपूर्ण व्यवहार करना चाहिए क्योंकि क्रूरता किसी प्रकार से उचित नहीं है।

3) प्रत्येक व्यक्ति के लिए उसकी स्वतंत्रता सर्वोपरि है इसलिए इसकी हर कीमत पर रक्षा की जानी चाहिए।

4) हमें एक दूसरे के साथ सहयोग करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सारी समस्याएँ आसानी से सुलझ जाती है।

प्र० 4 प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

उ० प्रायः लोग गधे को रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' के संदर्भ में प्रयुक्त करते हैं, परंतु लेखक ने गधे की स्वभावगत विशेषताएँ बताते हुए उसे सीधा, सहिष्णु जानवर बताया है। उसके सीधेपन और निरापद सहिष्णुता की वजह से उसे पदवी दी गई है। गधे में तो वे सभी गुण पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं, जो ऋषि-मुनियों में अपेक्षित माने जाते है।

प्र० 5 किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

उ० निम्नलिखित घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी :-

1. हीरा और मोती एक दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते थे और कभी-2 वे दोनों बैल आपस में सींग भी मिला लिया करते थे।

2. हीरा और मोती हल या गाड़ी में जोते जाने पर यही चेष्ठा करते थे कि ज्यादा से ज्यादा बोझ उसी की गर्दन पर रहे।

3. हीरा और मोती ने मिलकर रास्ते में मिलने वाले सांड को मार गिराया था।

4. हीरा और मोती दढ़ियल आदमी से अपनी जान बचाकर इकट्ठे भागे थे।

5. मोती हीरा को कांजी हौस में अकेला छोड़कर नहीं भागा जबकि उसके सामने ऐसा करने का मौका था।

प्र० 6 'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो। हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए ?

उ० लेखक ने हीरा के माध्यम से स्त्री जाति के प्रति इस विडंबना को इंगित किया है कि उसे पुरुष जाति के अत्याचार का शिकार बनना पड़ता है पुरुष स्त्री पर जब चाहे हाथ उठा देता है और स्त्री जाति की यह विवशता है कि उसे पुरुष की मार झेलना पडती है।

प्र० 7 किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधो को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है ?

उ० किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधो को झूरी और गया के संदर्भ में हीरा और मोती के माध्यम से प्रकट किया गया है। झूरी अपने दोनों बैलों को बहुत प्रेम करता है और गले मिलता है लेकिन गया दोनों बैलों के साथ ज्यादती करता है और मारता-पीटता भी है और उन्हें खाने में सूखा भूसा देता है।

प्र० 8 'इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे', मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

उ० हीरा तो कांजी हौस में रस्सी से बधा था और मोती ने सींग मार-मारकर कांजीहौस की आधी दीवार को गिरा दिया था दीवार के टूटते ही वहाँ बंद नौ-दस प्राणी निकल कर भाग गए थे। मोती हीरा के वजह से नहीं भागा। मोती को इस बात पर गर्व है कि उसके प्रयास से नौ-दस प्राणियों की जान बच गई थी। इस घटना से मोती कि यह विशेषता

पता चलती है कि वह परोपकारी है और अच्छा मित्र भी है क्योंकि वह अपने स्वार्थ के लिए उसे नहीं छोड़ना चाहता था, जबकि वह चाहे तो ऐसा कर सकता था। इससे यह पता चलता है कि हीरा साहसी मित्र भी है।

प्र० 10 गया ने हीरा-मोती को दोनो बार सूखा भूसा खाने को दिया क्योंकि —

1) गया पशुओं बैलों पर अधिक खर्च नहीं करना चाहता था।

2) गरीबी के कारण खली आदि खरीदना उसके बस की बात न थी।

3) वह हीरा-मोती के व्यवहार से दुखी था।

4) उसे खली आदि सामग्री की जानकारी न थी।

उ० 3) वह हीरा मोती के व्यवहार से दुखी था।